आकाशवाणी केन्द्र शिमला

10.03.2025 / प्रादेशिक समाचार / 18.00बजे

राज्यपाल अभिभाषण

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने हिमाचल प्रदेश की खराब वित्तीय हालत के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने से हिमाचल को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। इसके अलावा रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट में आई भारी कमी ने राज्य की वित्तीय स्थिति को और अधिक प्रतिकूल बनाया है। राज्यपाल आज शिमला में शुरू हुए प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन अपना अभिभाषण दे रहे थे। राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कहा कि दुर्गम पहाड़ी प्रदेश होने के कारण हिमाचल के पास आय के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। ऐसे में राज्य की निर्भरता केंद्रीय अनुदानों पर बहुत अधिक है। उन्होंने कहा कि जीएसटी लागू होने से हिमाचल को भारी नुकसान हुआ है। इसकी भरपाई केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी मुआवजे के रूप में सिर्फ पांच वर्षों तक ही की गई और यह व्यवस्था अब जुलाई 2022 से बंद हो गई है। इसके अलावा 15वें वित्तायोग में वित्त वर्ष 2020–21 के लिए अपनी अंतरिम रिपोर्ट में 11 हजार 4 सौ 31 करोड़ रुपए का राजस्व घाटा अनुदान अनुशंसित किया था। लेकिन यह अनुदान तेजी से घटा है और 15वें वित्तायोग के अंतिम वित्त वर्ष 2025–26 में यह घटकर महज 3 हजार 2 सौ 57 करोड़ रुपए रह जाएगा।

राज्यपाल ने कहा कि उनकी सरकार ने दिसंबर 2024 तक राज्य कर व आबकारी विभाग के माध्यम से 8 हजार 3 सौ 38 करोड़ रुपए का राजस्व एकत्र किया है जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11 दशमलव सात–नौ फीसदी अधिक है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़–बद्दी रेललाइन का कार्य मार्च 2027 और भानुपल्ली–बिलासपुर–बेरी रेललाइन का कार्य दिसंबर 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि तमाम आर्थिक चुनौतियों के बावजूद हिमाचल आत्मनिर्भरता के पथ पर अग्रसर है। शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि उनकी सरकार ने मनरेगा के तहत 2 करोड़ 96 लाख 64 हजार कार्यदिवस सृजित कर 6 लाख 36 हजार परिवारों को रोजगार प्रदान किया और इसमें से 64 फीसदी रोजगार महिलाओं को दिया गया। राज्यपाल ने बजट सत्र के पहले दिन अपना औपचारिक अभिभाषण शुरू करने से पहले प्रदेश सरकार द्वारा नशे के खिलाफ उनके द्वारा चलाए जा रहे अभियान को व्यापक रूप से अपनाने के लिए सरकार और सदन का आभार जताया। राज्यपाल ने नशे के खिलाफ उनकी सरकार द्वारा की जा रही कार्रवाई का जिक्र किया। राज्यपाल ने कहा कि उनकी सरकार ने नशे के अवैध कारोबार से अर्जित

11 करोड़ रुपए की चल–अचल संपत्तियों को जब्त किया है। राज्यपाल ने कहा कि उनकी सरकार ने विधानसभा चुनाव के दौरान दी गई 10 में से छह गारंटियों को पूरा कर लिया है।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि वर्तमान राज्य सरकार कठिन परिस्थितियों के बावजूद आत्मनिर्भर हिमाचल की नींव रख रही है। वे आज शिमला के चौड़ा मैदान स्थित राजीव गांधी राजकीय महाविद्यालय के वार्षिक समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार व्यवस्था में सुधार के लिए अनेक फैसले ले रही है और आने वाले समय में भी इसी दिशा में कदम उठाए जाएंगे।

जयराम ठाकुर

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने राज्य सरकार पर मण्डी की सरदार पटेल यूनिवर्सिटी को बंद करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस विश्वविद्यालय के दायरे को लगातार कम करने का काम कर रही है और पहले विश्वविद्यालय के साथ पांच जिलों के एक सौ 46 कॉलेज संबद्ध थे लेकिन अब इनकी संख्या को घटाकर 46 कर दिया गया है।

मौसम

प्रदेश के अधिकांश भागों में आज बादल छाए हुए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के वैज्ञानिक संदीप शर्मा ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते प्रदेश में 12 से 16 मार्च तक बर्फबारी व वर्षा होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में तापमान सामान्य से 3 से पांच डिग्री सैल्सियस अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है।

नमस्कार।